हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 27 जुलाई 2026

तापमान

अधिकतम 35 .0 डिग्री
न्यूनतम 26 .0 डिग्री

11 'मन की बात' देश की जनता से प्रधानमंत्री का आत्मीय संवादः डा. बनवारीलाल

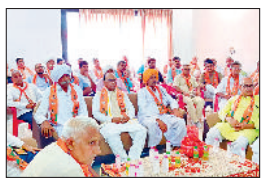

12 प्लाईवुड गोदाम में भीषण आग, लाखों रुपये का माल जलकर राख

खबर संक्षेप

जुआ खेलने के आरोप में तीन गिरफ्तार

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग ताश के पत्तों से जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर छापा मारा तो वहां नई आबादी निवासी आशीष, धामलावास निवासी नवीन और विकास नगर निवासी अमित जुआ खेल रहे थे। पुलिस ने तीनों को काबू करने के बाद उनके कब्जे से जुए के 4550 रुपये और ताश के पत्ते बरामद कर लिए। उनके खिलाफ गैंबलिंग एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

सट्टा खाईवाली करने के आरोप में काबू

रेवाड़ी। मोहल्ला वैधवाड़ा के पास सट्टा खाईवाली करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि वैधवाड़ा निवासी ताराचंद सट्टा खाईवाली कर रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने बोगस ग्राहक बनाकर उसके पास भेज दिया। सट्टे का नंबर लगाते हुए पुलिस ने उसे काबू कर लिया। उसके कब्जे से सट्टे के 1040 रुपये और पर्चियां बरामद हुई। बाद में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गैंबलिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया। आरोपी को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

दहेज प्रताड़ना मामले का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। महिला थाना पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता को प्रताड़ित करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एक गांव निवासी महिला ने पुलिस शिकायत में पति सहित ससुराल पक्ष के लोगों पर मारपीट करने और दहेज नहीं लाने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच सुलहनामा कराने के प्रयास किए थे। पुलिस ने 17 जुलाई को केस दर्ज किया था। इस मामले में गुरुग्राम के पालम निवासी अंकित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

फरार चल रहा पीओ चढ़ा पुलिस के हत्थे

रेवाड़ी। थाना बावल पुलिस ने कोर्ट से घोषित एक पीओ को गिरफ्तार किया है। कोर्ट में चल रहे मामले में राजस्थान के महतावास कोमल लगातार अनुपस्थित चल रहा था। बार-बार सम्मन जारी होने के बावजूद वह कोर्ट में हाजिर नहीं हुआ, तो उसे पीओ घोषित कर दिया गया था। कोर्ट के आदेश पर बावल थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ 21 जुलाई को केस दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी कोमल को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

मारपीट मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

जाटूसाना। थाना रोहड़ाई पुलिस ने खेड़ा आलमपुर में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में उपचाराधीन घायल के बयान पर गत माह विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित पक्ष की ओर से मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए गए थे। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में खेड़ा आलमपुर निवासी नरपाल और संजय को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उन्हें पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

सड़क हादसे में घायल युवक की पीजीआई में मौत

रेवाड़ी। बीते 13 जुलाई को राजपुरा के पास बाइक हादसे में घायल हुए एक युवक की पीजीआई रोहतक में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। खोरी निवासी लगभग 40 वर्षीय विनोद किसी काम से घर से बाइक लेकर गया था। घर लौटते समय उसकी बाइक संतुलन बिगड़ने के बाद सूचना पट्ट से टकरा गई थी।

ऑटो चालकों को भी नहीं नियमों की परवाह, सरकुलर रोड पर मनमर्जी की जगह कतार में खड़े होकर भर रहे सवारियां, लग रहा जाम

शहर में बढ़ रहा अवैध पार्किंग का जाल, प्रशासन की सुस्ती से कई जगह ट्रांसपोटर्स का स्थाई कब्जा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

शहर के सरकुलर रोड सहित अनेक स्थानों पर इन दिनों अवैध पार्किंग का जाल पूरी तरह फैल चुका है। सड़कों पर अवैध रूप से खडे वाहनों के कारण थोड़ी-थोड़ी देर में जाम की स्थिति पैदा हो रही है। रेलवे चौक से झज्जर चौक, ट्रामा सेंटर से नसियाजी मोड, कानोड गेट के पास, नाईवाली ओवरब्रिज के सर्विस रोड, अंबेडकर चौक से लियो चौक व मॉडल टाउन सहित अनेक स्थानों पर पूरे दिन सड़कों पर वाहन खड़े रहते है, जिसका मुख्य कारण शहर में स्थाई पार्किंग व्यवस्था का न होना है। ब्रास मार्केट, नई अनाजमंडी, पुराना हाउसिंग बोर्ड व राजीव चौक के पास तो पूरी तरह ट्रांसपोटर्स व शिक्षण संस्थानों की बसों ने कब्जा किया हुआ है। प्रशासन की ओर से सड़कों पर व्यवस्था सुधारने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे है। करीब चार किलोमीटर के सरकुलर रोड पर जगह-जगह सड़क पर वाहन खड़े देखे जा सकते है। कई बार सरकुलर रोड पर अवैध पार्किंग व अतिक्रमण से लगते जाम के कारण एंबुलेंस को भी निकलने में लंबा इंतजार करना पड़ता है।

अलग खबर

रेवाड़ी। झज्जर चौक से रेलवे चौक के बीच सड़क पर खड़े वाहन व लगा जाम। फोटो : हरिभूमि

ऑटो चालक भी बिगाड़ रहे व्यवस्था

शहर में पिछले दो से तीन साल में ऑटो व ई-रिक्शा की संख्या भी काफी बढ़ चुकी है। सरकुलर रोड पर बस स्टैंड के बाहर, बावल चौक, अंबेडकर चौक, धारूहेड़ा चुंगी, रेलवे रोड, कानोड गेट, झज्जर चौक, ट्रामा सेंटर के पास, बावल रोड व नाईवाली चौक सहित मेन बाजार में ऑटो का भी जमावड़ा लगा रहता है। इन जगहों पर सवारी भरने की जल्दी में कतार में ऑटो खड़े हो जाते है, जिससे अन्य वाहनों का निकलना मुश्किल हो जाता है। ऑटो के साथ ई-रिक्शा भी सड़क पर खड़े होकर यातायात बाधित कर रहे है। ई-रिक्शा चालक तो बाजार में ही सवारियां लेकर गुजर जाते है, जिससे तंग बाजार में भी जाम की स्थिति बन जाती है।

शहर में कही भी नहीं पार्किंग

सरकुलर रोड पर पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में वाहन सड़क किनारे खड़े रहते हैं। सरकुलर रोड पर पड़ने वाले प्राइवेट अस्पताल, बैंक, स्कूल और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भी पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। कुछ अस्पतालों ने अपनी पार्किंग बनाई हुई है, जबकि अन्य के पास ऐसी व्यवस्था नहीं है। पार्किंग की व्यवस्था कराने की मांग लंबे समय से उठती रही है। नगर परिषद कई बार पार्किंग की जगह चिन्हित कर चुकी है, लेकिन नप की योजना एक दशक से सिरे नहीं चढ़ पाई है। वाहनों के खड़े होने के कारण सड़क दोनों ओर से संकीर्ण हो जाती है, जिससे कई जगह जाम जैसे हालात बने रहते हैं।

ब्रास मार्केट व अनाजमंडी में ट्रांसपोर्ट्स का कब्जा

ब्रास मार्केट में दिन-रात बड़ी संख्या में प्राइवेट बसें और अन्य वाहन खड़े रहते हैं। यही हाल नई अनाजमंडी का है, जहां ट्रांसपोर्ट्स की ओर से लंबे समय बसें खड़ी की जा रही है। ट्रांसपोर्ट्स ने प्राइवेट बसों को खड़ा करने के लिए इन दो स्थानों का अपना स्थाई अड्डा बनाया हुआ है। अनाजमंडी में शिक्षण संस्थानों की बसें भी खड़ी की जा रही है। सुबह से देर रात तक अनाजमंडी में प्राइवेट बसों का आवागमन लगा रहता है। ये बसें कंपनी के कर्मचारियों को छोड़ने के बाद अनाजमंडी के पहले टीनशेड से लेकर किसान भवन तक सड़कों पर खड़ी की जा रही है। इन प्राइवेट बसों को चलाने वाले ड्राईवर कई बार काफी तेजी गति से अनाजमंडी की सड़कों पर दौड़ाते भी नजर आते है, जिससे कभी भी हादसा हो सकता है।

रेवाड़ी। अनाजमंडी में कतार में खड़ी प्राइवेट बसें। फोटो : हरिभूमि

पुलिस ने गांजा के साथ एक आरोपी किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

थाना सदर पुलिस ने नशीला पदार्थ गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि गोकलगढ़ निवासी संदीप नशीला पदार्थ बेचने का कार्य करता है। वह गांव के बाहर नशीले पदार्थ के साथ किसी का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस बताए गए स्थान पर पहुंच गई। पुलिस को देखकर वहां खड़े युवक ने भागने का प्रयास किया, परंतु पुलिस ने पीछा करते हुए उसे काबू कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम गोकलगढ़ निवासी संदीप बताया। ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 1262 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करते हुए उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में नशा तस्कर।

विधायक ने मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना मेले का किया शुभारंभ

समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए सरकार कर रही प्रयासः डा. कृष्ण

- मेले में 800 से अधिक नागरिकों का किया गया पंजीकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ बावल

मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत रविवार को नगर पालिका बावल परिसर में अंत्योदय परिवार उत्थान योजना मेले का आयोजन किया गया। बावल के विधायक डा. कृष्ण कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि मेले में शिरकत की। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली, एडीसी राहुल मोदी तथा एसडीएम संजीव कुमार भी उपस्थित थे। इस मौके पर विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना के साथ देश के समग्र विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी अंत्योदय के सिद्धांत पर कार्य करते हुए समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं पात्र परिवारों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। विधायक ने बताया कि प्रदेश में यह मेला 22 विधानसभाओं में आयोजित किया जा रहा है। विधायक ने मेले में विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा नागरिकों के पंजीकरण व प्रदान की जा रही सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक पात्र परिवार तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से पहुंचाया जाए।

रेवाड़ी। अंत्योदय मेले में स्टॉलों का निरीक्षण करते विधायक व एडीसी, विभागों की स्टॉल्स से योजनाओं की जानकारी लेते लोग। फोटो : हरिभूमि

स्टॉल लगाकर लाभपात्रों के किए पंजीकरण

अंत्योदय मेले में पशुपालन एवं डेयरी विभाग, हरियाणा डेयरी विकास प्रसंघ, महिला विकास निगम, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण निगम, हरियाणा कौशल विकास निगम, एमएसएमई विभाग, उद्यान विभाग, रोजगार विभाग, रेडक्रॉस, कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी), शहरी स्थानीय निकाय विभाग तथा ग्रामीण विकास विभाग सहित 19 विभागों ने अपने स्टॉल लगाए। विभागीय अधिकारियों ने स्वरोजगार, कौशल विकास, सामाजिक सुरक्षा, ऋण सुविधा एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। मेले में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की ओर से 800 से अधिक पात्र लाभार्थियों के पंजीकरण किए गए। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी रेणु बाला, जिला बाल कल्याण अधिकारी वीरेंद्र यादव, बीडीपीओ शुभम, नायब तहसीलदार श्यामसुंदर, भाजपा जिला महामंत्री कुलदीप चौहान, मंडल अध्यक्ष रमेश, पूर्व पार्षद कुमारी गीता, अर्जुन चौकन व ईश्वर सिंह चनेजा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

हिंदी का महत्व राष्ट्रीय स्तर तक सीमित नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी निरंतर बढ़ रहाः डा. पुरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर के हिंदी विभाग में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए एमए हिंदी पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 27 जुलाई दोपहर 3 बजे तक निर्धारित की गई है। इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर निर्धारित समयावधि में आवेदन कर सकते है। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डा. मंजू पूरी ने बताया कि एमए हिंदी केवल एक शैक्षणिक उपाधि नहीं, बल्कि रोजगार, शोध एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति की दिशा में सशक्त आधार प्रदान करने वाला पाठ्यक्रम है। उन्होंने बताया कि इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी भाषा अधिकारी, अनुवादक, अध्यापक, शोधकर्ता, पत्रकार, समाचार वाचक, कंटेंट लेखक तथा विभिन्न प्रशासनिक, सांस्कृतिक एवं मीडिया संस्थानों में उत्कृष्ट करियर बना सकते हैं। इसके अतिरिक्त यूपीएससी, एचपीएससी, यूजीसी-नेट, बैंकिंग तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी हिंदी विषय विद्यार्थियों के लिए बेहतर संभावनाएं प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में हिंदी का महत्व केवल राष्ट्रीय स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी निरंतर बढ़ रहा है। विश्वभर में हिंदी भाषा एवं साहित्य के विशेषज्ञों की बढ़ती मांग को देखते हुए एमए हिंदी विद्यार्थियों के लिए उज्ज्वल भविष्य और व्यापक रोजगार के अवसरों के नए द्वार खोलता है।

- आईजीयू में हिंदी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम आज

विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम में राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर हुई चर्चा

रेवाड़ी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के अंतर्गत देशभर के 245 जिलों के 403 प्रतिभागियों के साथ वर्चुअल माध्यम से संवाद किया। लघु सचिवालय से डीसी अभिषेक मीणा की अध्यक्षता में वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिले से कार्यक्रम की प्रतिभागी खुशबू यादव ने भी सहभागिता की। मेरा युवा भारत के 20 स्वयंसेवकों ने वीसी के माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने प्रतिभागियों से सीमावर्ती गांवों में उनके अनुभव, वहां की संस्कृति, स्थानीय लोगों के साथ उनके जुड़ाव तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे देश के विकास एवं विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सक्रिय भागीदारी निभाएं। कार्यक्रम के उपरांत जिले की प्रतिभागी खुशबू यादव से विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के दौरान अनुभव साझा किए। उन्होंने सीमावर्ती गांवों के जनजीवन, वहां की परिस्थितियों तथा स्थानीय संस्कृति के बारे में जानकारी प्राप्त की। उपायुक्त ने मेरा भारत प्लेटफॉर्म के माध्यम से युवाओं को उपलब्ध हो रहे विभिन्न अवसरों की भी जानकारी ली तथा जिले के अधिक से अधिक युवाओं से मेरा भारत से जुड़कर राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान किया। डीसी ने खुशबू यादव को मोमेंटो देकर सम्मानित भी किया।

कल से मानसून के जोर पकड़ने की संभावना, पूरे सप्ताह परिवर्तनशील बना रहेगा मौसम

लगातार पांच दिन से बढ़ रहा तापमान, उमस से आफत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

लगातार पांच दिन से दिन का पारा चढ़ रहा है। इससे उमस भरी गर्मी लोगों को जमकर परेशान कर रही है। दिन भर गर्मी का सामना करने के बाद शाम के समय आसमान में बादल और बूंदाबांदी कुछ हद तक राहत जरूर दिला देती है। इस सप्ताह मौसम में बार-बार देखने को मिलेगा। मानसून के जोर पकड़ने से 28 जुलाई से अच्छी बारिश की संभावना जताई जा रही है। सप्ताह के आरंभ में ही बारिश का सिलसिला शुरू हो सकता है। गत 22 जुलाई से ही दिन का तापमान लगातार बढ़ रहा है। हालांकि तापमान में वृद्धि एक साथ ज्यादा नहीं हुई है, लेकिन यह 35.0 डिग्री पर पहुंच चुका है। न्यूनतनम तापमान 0.4 डिग्री की कमी के साथ 26.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 80 प्रतिशत तक बना रहा। रविवार को सुबह से ही आंशिक बादल छाए रहे। दोपहर तक आसमान साफ होने के बाद तेज धूप ने नमी से मिलकर उमस पैदा कर दी। उमस का असर इतना अधिक रहा कि शाम तक लोग पसीने से तर-बतर होते रहे। कूलर और पंखों की हवा भी पसीना सुखाने में काम नहीं आई। शाम के समय आसमान में गहराने के बाद जिले के कुछ हिस्सों में बूंदाबांदी हुई। इसके बाद मौसम का मिजाज ठंडा पड़ गया। आसमान में बादल गहराने के बाद रविवार की रात को भी बारिश की संभावना बनी हुई थी।

रेवाड़ी। एक किसान के खेत में खड़ी कपास की फसल। फोटो : हरिभूमि

सप्ताहांत तक मौसम में रहेगा बदलाव

मौसम विभाग के अनुसार बीते सप्ताह की अपेक्षा इस सप्ताह मानसून की सक्रियता ज्यादा बढ़ने के आसार हैं। सोमवार को भी आसमान में आंशिक या घने बादलों के बीच बूंदाबांदी से लेकर हल्की बरसात तक हो सकती है। मंगलवार को बादल गहराने के बाद अच्छी बारिश की संभावना है। सप्ताह के अंत तक मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। इस दौरान तापमान में एक बार फिर से कमी दर्ज की जा सकती है।

खरीफ की फसलों को हो रहा फायदा

खरीफ की फसलों में किसानों ने ज्यादातर बाजरे की बिजाई की हुई है। इस बार कपास का एरिया 10 हजार हेक्टेयर से भी कम है। जिन किसानों ने कपास की फसल उगाई हुई है, उनकी फसल को बीते दिनों हुई बारिश से अच्छा फायदा मिला है। बाजरे की फसल 90 हजार हेक्टेयर में उगाने का अनुमान है। यह फसल भी बारिश के बाद रौनक पर आ रही है। अच्छी बारिश होने पर दोनों फसलों को अच्छा फायदा हो सकता है।

आज से फिर धरने पर बैठेंगे वकील

रेवाड़ी। एसडीएम के ताबदले की मांग को लेकर वकील सोमवार को फिर से धरना शुरू करेंगे। एसडीएम के अवकाश पर जाने व उनके स्थान पर दूसरे एसडीएम को चार्ज दिए जाने के बावजूद वकीलों ने आंदोलन समाप्त नहीं किया है। वकीलों के साथ दुर्व्यवहार व स्टांप ड्यूटी के आरोपों को लेकर वकील सरकार से एसडीएम के ताबदले की मांग कर रहे हैं। गत सप्ताह वकीलों ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया था। शनिवार और रविवार को धरना नहीं दिया गया। अब 27 जुलाई से एक बार फिर धरना शुरू किया जाएगा। वकील एसडीएम के तबादले तक आंदोलन जारी रखने की घोषणा कर चुके हैं।

- वकील सरकार से एसडीएम के ताबदले की मांग कर रहे

व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।

- हरिशंकर परसाई

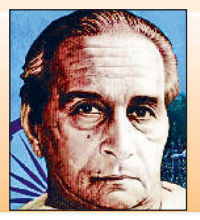

कहानी

डॉ. मधुकांत

डरा-सहमा बाप

भूशरण उसे देखकर कांप उठा, पर कुछ बोल न सका। वह बस दीवार की ओर मुँह करके सो जाने का नाटक करने लगा। उसे अपने ही घर में अपने ही बेटे से डर लगने लगा था।

दोपहर का समय था। बाजार की गहमागहमी के बीच भूशरण अपनी कपड़े की छोटी सी दुकान में लकड़ी के पुराने काउंटर के पीछे बैठा था। पंखा अपनी पूरी रफ्तार से चल रहा था, लेकिन उसके माथे पर पसीने की बूंदें साफ चमक रही थीं। उसकी नजरें सामने की सड़क पर थीं, पर मन कहीं दूर अतीत की गलियों और भविष्य की चिंताओं में भटका हुआ था। तभी उसका पुराना मित्र रामेश्वर दुकान में दाखिल हुआ। उसने देखा कि भूशरण ने उसे आते हुए भी नहीं देखा।

रामेश्वर ने कंधे पर हाथ रखा, 'क्यों भूशरण भाई! आज किस दुनिया में खोए हो? ग्राहक खड़ा हो जाए तो शायद तुम्हें पता भी न चले।' भूशरण ने हड़बड़ा कर लंबी सांस ली, 'आओ रामेश्वर, बस यूँ ही... घर-गृहस्थी की बातें हैं।' रामेश्वर पास पड़े स्टूल पर बैठ गया और बोला, 'देखो भाई, चेहरा मन का दर्पण होता है। तुम्हारी आँखों की ये गहरी झुर्रियां बता रही हैं कि मामला मामूली नहीं है। सुना है दुख बांटने से हल्का होता है, शायद कोई समाधान ही निकल आए।' भूशरण का गला भर आया। उसने डबडबाई आँखों से कहा, 'रामेश्वर, समाज में हम 'लड़का-लड़का' कहकर छाती चौड़ी करते हैं, पर जब वही लड़का बड़ा होकर बाप को आँखें दिखाने लगे, तो कलेजा फट जाता है। बेटी राखी का विवाह किया तो लगा कंधों का बोझ उतर गया, पर यह धीरेंद्र... इसने तो नाक में दम कर रखा है। न पढ़ाई में मन लगाता है, न दुकान पर बैठता है। आवारागर्दी और बदतमीजी इसकी पहचान बन गई है।' रामेश्वर ने सहानुभूति से कहा, 'आजकल की हवा ही खराब है भूषण। पर तू एक काम कर, तू उसका बाप है, पर वो शायद तेरी बात न माने। तू चुपचाप उसके स्कूल जा और मास्टर जी से मिल। शिक्षक का भय और सम्मान आज भी बच्चों के मन में होता है।' अगले दिन भूशरण भारी मन से धीरेंद्र के स्कूल पहुँचा। गलियारे में चलते हुए उसे डर लग रहा था कि कहीं धीरेंद्र उसे देख न ले। वह प्रधानाध्यापक के कमरे में पहुँचा। मास्टर जी ने चश्मा ठीक करते हुए पूछा, 'जी, आप कौन? क्या काम है?' 'जी, मैं धीरेंद्र का पिता हूँ,' भूशरण ने हाथ जोड़कर कहा। मास्टर जी के तेवर बदल गए, 'अच्छा, तो आप हैं उसके पिता! धीरेंद्र तो एकदम नालायक है। कक्षा में पीछे बैठकर शोर मचाता है, दूसरों को पढ़ने नहीं देता और सुना है कि स्कूल के बाहर गलत लड़कों के साथ उठता-बैठता है। आप उसे घर पर कुछ कहते नहीं?'

भूशरण की आँखें झुक गईं। 'मास्टर जी, इसीलिए आपके पास आया हूँ। आप उसे समझाइए, थोड़ा डराइए। शायद आपकी बात मानकर वह सुधर जाए और सही रास्ते पर आ जाए।' फिर स्वर धीमा करते हुए उसने कहा, 'पर मास्टर जी, मेरा एक निवेदन है... उसे यह मत बताइएगा कि मैं शिकायत लेकर आया था।' मास्टर जी हैरान रह गए, 'क्यों भाई? आप उसके पिता हैं या कोई अजनबी? इतना डर क्यों? आजकल सरकार ने हमारे हाथ बांध रखे हैं कि हम बच्चों पर हाथ नहीं उठा सकते, पर आप तो उसे डांट सकते हैं।' भूशरण ने लाचारी से सिर हिलाया, 'मास्टर जी, आप नहीं समझेंगे। आजकल एक ही बेटा है। डर लगता है कि कहीं ज्यादा टोकने पर घर छोड़कर न भाग जाए या कुछ कर न बैठे। बस आप अपने स्तर पर देख लीजिए।' यह कहकर भूशरण एक अपराधी की तरह चुपचाप स्कूल से बाहर निकल आया। उसे नहीं पता था कि यह 'गोपनीयता' ज्यादा देर नहीं टिकेगी। दोपहर को जब धीरेंद्र स्कूल से लौटा, उसका चेहरा गुस्से से तमतमाया हुआ था। उसके दोस्तों ने उसे बता दिया था कि उसका 'बुड्ढा' बाप स्कूल में उसकी मुखबिरी करने आया था। घर में घुसते ही उसने जोर से बस्ता पटका। 'बापू! आपकी हिम्मत कैसे हुई स्कूल जाकर मेरी बुराई करने की?' धीरेंद्र चीखा। भूशरण के हाथ कांपने लगे, 'बेटा, मैं तो बस तुम्हारी भलाई के लिए...' 'चुप रहिए! आपने मुझे सबके सामने जलील किया है। अब देखिए मैं क्या करता हूँ!' धीरेंद्र चिल्लाता हुआ अपने कमरे में गया और दरवाजा अंदर से जोर से बंद कर लिया। शाम ढल गई। घर में चूल्हा नहीं जला। माँ रमी बार-बार दरवाजे पर दस्तक दे रही थी, 'धीरेंद्र बेटा, कुंडी खोल। देख माँ ने तेरे लिए परांठे बनाए हैं। बाहर आ जा बेटा!' अंदर से कोई आवाज नहीं आई। रमी रोने लगी और भूशरण को कोसने लगी, 'क्यों गए थे स्कूल? देख लीजिए, अगर मेरे बेटे ने कुछ कर लिया तो मैं जान दे दूंगी।' भूशरण जो खुद डरा हुआ था, अब गिड़गिड़ाने लगा, 'बेटा धीरेंद्र, दरवाजा खोल दे। मैं कान पकड़ता हूँ, अब कभी स्कूल नहीं जाऊंगा। जो तू कहेगा वही होगा। बस बाहर आ जा।' घंटों के मिन्नतों के बाद धीरेंद्र ने दरवाजा खोला।

> धीरेंद्र चिल्लाता हुआ अपने कमरे में गया और दरवाजा अंदर से जोर से बंद कर लिया। शाम ढल गई। घर में चूल्हा नहीं जला। माँ रमी बार-बार दरवाजे पर दस्तक दे रही थी, 'धीरेंद्र बेटा, कुंडी खोल। देख माँ ने तेरे लिए परांठे बनाए हैं। बाहर आ जा बेटा!' अंदर से कोई आवाज नहीं आई।

उसके चेहरे पर जीत की कुटिल मुस्कान थी। उसने जान लिया था कि उसके माता-पिता उसके 'गुस्से' के गुलाम हैं। समय बीतता गया, पर धीरेंद्र की आदतें नहीं बदलीं। दसवीं कक्षा में पहुँचते ही उसने नई मांग रख दी-मोटरसाइकिल।' बाबूजी, मुझे स्कूल जाने के लिए बाइक चाहिए। मेरे सभी दोस्तों के पास है,' उसने आदेशात्मक लहजे में कहा। भूशरण ने समझाने की कोशिश की, 'बेटा, अभी दुकान की हालत ठीक नहीं है। थोड़ा रुक जा, ग्यारहवीं में दिला दूंगा। 'धीरेंद्र का पारा चढ़ गया, 'हमेशा का यही रोना है! आपके पास मेरे लिए पैसे नहीं होते। ठीक है, अब मैं घर तभी आऊंगा जब बाइक आएगी।' वह गुस्से में घर से निकल गया। रात के दस बजे, फिर ग्यारह... धीरेंद्र नहीं लौटा। रमी का रो-रोकर बुरा हाल था। मोहल्ले के लोग इकट्ठा हो गए। भूशरण पागलों की तरह गलियों में उसे ढूंढ रहा था। रिश्तेदारों ने धीरेंद्र को ढूंढने के बजाय भूशरण को ही उपदेश देना शुरू कर दिया, 'भाई साहब, जमाना बदल गया है। बच्चों को प्यार से रखना पड़ता है। उसकी जिद पूरी कर देते तो क्या बिगड़ जाता?' अगली सुबह धीरेंद्र एक पार्क में बेंच पर सोता हुआ मिला। जब वह घर आया, तो भूशरण ने उसे गले लगाने के बजाय उसके सामने आत्मसमर्पण कर दिया। 'बेटा, तू घर आ गया, यही बहुत है। मैं कल ही उधार लेकर तुझे बाइक दिला दूंगा।' उस दिन भूशरण ने अपनी मेहनत की कमाई और स्वाभिमान, दोनों को उस लोहे की मशीन के बदले बेच दिया। बाइक आने के बाद धीरेंद्र के पंख और निकल आए। अब वह रात-रात भर बाहर रहने लगा। उसकी आँखों के नीचे काले घेरे और चाल में लड़खड़ाते कदम बता रहे थे कि वह नशे के दलदल में धंस चुका है। एक रात जब वह घर आया, तो सीधे भूशरण के सामने जाकर खड़ा हो गया। मुँह से शराब की बदबू आ रही थी। भूशरण उसे देखकर कांप उठा, पर कुछ बोल न सका। वह बस दीवार की ओर मुँह करके सो जाने का नाटक करने लगा। उसे अपने ही घर में अपने ही बेटे से डर लगने लगा था। रमी ने एक दिन सुझाव दिया, 'सुनो, इसकी शादी कर देते हैं। सिर पर जिम्मेदारी आएगी तो शायद सुधर जाए।' भूशरण ने ठंडी सांस भरी, 'रमी, हम अपनी बला किसी और के गले डालने जा रहे हैं। उस बेचारी लड़की का क्या दोष जिसे हम इस नर्क में झोंकेंगे?' पर ममता और उम्मीद के आगे तर्क हार गए। एक गरीब परिवार की सुशील लड़की 'शैला' से धीरेंद्र का विवाह कर दिया गया। शुरुआत में लगा कि शायद चमत्कार हो गया है। धीरेंद्र घर पर रहने लगा। पर यह शांति तूफान से पहले की खामोशी थी। जल्द ही उसने शैला को पीटना शुरू कर दिया ताकि वह अपनी माँ के गहने या मायके से पैसे लाकर उसे दे। भूशरण अपनी बहू की चीखें सुनता, पर वह इतना 'डरा-सहमा' था कि बीच-बचाव करने की हिम्मत नहीं जुटा पाता था। साल गुजरते गए। रमी का देहांत हो गया। भूशरण अब बिस्तर पकड़ चुका था। घर में अब एक नया सदस्य था—पोता 'अधीर'। अधीर जब बड़ा हुआ, तो उसने घर में क्या देखा? एक शराबी पिता जो माँ को मारता है और एक लाचार दादा जो बस कोने में पड़ा रहता है।

अधीर ने वही सीखा जो उसने देखा। वह भी नशे की दुनिया में चला गया। एक शाम का दृश्य बड़ा भयानक था। धीरेंद्र नशे में धुत्त होकर घर आया। उसने रसोई में जाकर शैला को खाने के लिए गाली दी और हाथ उठाया।' आज तुझे मार ही डालूंगा, रोज का किच-किच खत्म!' धीरेंद्र ने जैसे ही हाथ हवा में लहराया, एक मजबूत हाथ ने उसकी कलाई को बीच में ही दबोच लिया। वह अधीर था। उसकी आँखों में वही खून सवार था जो कभी धीरेंद्र की आँखों में अपने पिता के प्रति होता था। अधीर ने धीरेंद्र की कलाई इतनी जोर से मरोड़ी कि वह घुटनों के बल बैठ गया।' खबरदार! अगर आज के बाद माँ पर हाथ उठाया तो यह हाथ सलामत नहीं रहेगा,' अधीर की आवाज में ऐसी दरिंदगी थी कि धीरेंद्र का नशा हिरन हो गया। वह कांपने लगा। उसने आज पहली बार वह डर महसूस किया जो उसका पिता भूशरण सालों से महसूस कर रहा था। बैठक के कोने में बैठा बूढ़ा भूशरण यह सब देख रहा था। उसकी धुंधली आँखों से आंसू बह निकले। उसने देखा कि समय ने खुद को दोहराया है। धीरेंद्र ने जो बोया था, आज वही फसल काट रहा था। भूशरण ने एक लंबी और ठंडी सांस ली और बुदबुदाया, 'परमात्मा! यह चक्र कब रुकेगा? काश मैंने शुरू में ही इसे सही रास्ता दिखाया होता, काश मैं इतना डरा हुआ बाप न होता।' बाहर अंधेरा गहरा रहा था और घर के अंदर 'जैसी करनी वैसी भरनी' का सत्य साक्षात खड़ा था।

पुस्तक समीक्षा

मन की अनवरत यात्रा का काव्य-संसार

समीक्षक

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

कविता वह विधा है जो मनुष्य के अंतर्मन की अनकही अनुभूतियों को शब्दों का स्पर्श देती है। जब कोई कवि जीवन के सामान्य अनुभवों में छिपे असाधारण भावों को सहज भाषा में अभिव्यक्त करता है, तब उसकी रचनाएँ सीधे पाठक के हृदय तक पहुँच जाती हैं। रविकांत राऊत एक ऐसे कवि हैं, जिनकी लेखनी जीवन के साधारण अनुभवों में भी असाधारण संवेदनाओं का स्पर्श खोज लेती है।

उनका कविता-संग्रह 'देह रुकी, मन बह चला' इसी संवेदनशील दृष्टि और सृजनात्मक परिपक्वता का सुंदर उदाहरण है। यह संग्रह केवल कविताओं का संकलन नहीं, बल्कि मनुष्य के अंतर्मन की यात्रा का जीवंत दस्तावेज है। इस संग्रह में कुल 46 कविताएँ संकलित हैं। स्पर्श से पहले, ख्वाबों का मिलन, डर लगता है, पतझड़, स्त्री के मन की राहें, अनाम ख़त, सत्य के अँधेरे में खिलते गुलाब, समय का सच, आत्मज्ञान, बोधिवृक्ष, रौशनी और कुछ तो बात रही होगी जैसी रचनाएँ जीवन के विविध रंगों को बड़ी आत्मीयता से सामने लाती हैं। हर कविता अपने भीतर एक अलग भावलोक रचती है और पाठक को कुछ देर ठहरकर स्वयं से संवाद करने के लिए प्रेरित करती है। इस संग्रह की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सरल, सहज और प्रवाहपूर्ण भाषा है। कवि ने कहीं भी अनावश्यक शब्दाडंबर या कठिन प्रतीकों का सहारा नहीं लिया। यही कारण है कि साहित्य के नए पाठक भी इन कविताओं को बिना किसी कठिनाई के पढ़ और समझ सकते हैं। संग्रह की एक और उल्लेखनीय विशेषता यह है कि प्रत्येक कविता आकार में अपेक्षाकृत छोटी होते हुए भी अपने भीतर गहरे अर्थ समेटे हुए है। कवि कम शब्दों में अधिक कहने की कला जानते हैं। यही कारण है कि इन कविताओं को पढ़ते समय ऐसा लगता है मानो वे किसी और की नहीं, हमारे अपने जीवन की ही कहानी कह रही हों।

वास्तव में रविकांत राऊत का यह संग्रह संवेदनाओं, आत्मीयता और जीवन-दर्शन का सुंदर संगम है। इसकी सरलता ही इसकी सबसे बड़ी शक्ति है। यह पुस्तक पाठक के मन में लंबे समय तक अपनी छाप छोड़ती है और यह विश्वास जगाती है कि देह चाहे थम जाए, पर मन की यात्रा कभी नहीं रुकती।

कवि कॉर्नर

कविता

प्रो. ज्योति राज

तीन तिगाड़ा...

नहीं होती कायरों की कोई आवाज
न ही होते हैं उड़ने को कोई परवाज

बस रेंगते हैं जमीन पर मुँह ऊपर को उठा
कुढ़ते हैं उड़ते हुए बादल को देख
दिल पर लगा बैठते हैं दूसरों की दिलदारी

नहीं होती झूठों की कोई जमीन
न ही होते हैं उनकी झूठ के कोई पाँव

बस शर्मसार करते हैं सच को बारम्बार
उढ़ाते हैं सत्य को मिथ्यावादिता के आवरण
परोस कर लाते हैं बकबका मीठा सा बना कर

नहीं होती जिह्वाखोरों की कोई लगाम
न ही होते हैं कोई नियम क़ानून क़ायदे

बस फिसल जाती है जीभ मक्खनी मलाई सी
चटखारे लेने की जद में भूल जाते हैं तहज़ीब सारी
मुँह खोल बैहूदगी से चबाते हैं लाफ़्ज़ों की तरकारी

नहीं होती हजम इन तीनों से वफ़ादारी की खुराक
न ही होते हैं ये तंदुरुस्त खाकर भरोसे की बूटी
ये तिगड़ी नहीं ला पाती कोई बड़ा जलजला

इनका प्रभाव सीमित समय के लिए ज़रूर होता है
यही क्षणिक पोषण इन्हें ज़िंदा बनाए रखता है

कविता

डॉ. कमलेश मलिक

दरवाज़े पर ईगो की दस्तक

व्यंग्य

आसिम अनमोल

शर्मा दरवाजे पर लड़के को कार्ड थमा कर चला गया। क्या मुझे नहीं दे सकता था? मैं खा तो नहीं जाता उसे। हां, थोड़ा बहुत अपनी ईगो का ख्याल रखते हुए उसे घूर कर अपना हाईप्रोफाइल दरवाजा जरूर बन्द कर लेता और इससे ज्यादा क्या करता?

मैं ईगो हूं। मुझसे भली भांति सब परिचित हैं ही। मैं जिधर से गुज़रता हूं। लोगों की दृष्टि झुककर सलाम करने के लिए व्याकुल हो जाती है। लोग रोटी कम खाते हैं। भय ज्यादा खाते हैं मुझसे। समाज के घिसे-पिटे नियम क़ायदों से मेरा कोई लेना-देना नहीं होता। यह सब आम जनमानस के लिए बने हैं। मुझे नैतिक शास्त्र से कोई मतलब नहीं।

मैं दबाव शास्त्र में विश्वास करता हूं। मेरी जिधर से राह गुज़र होती है। वो रास्ते कर्फ्यू में तब्दील हो जाते हैं। ईगो का अपना सोचना है कि हम जितने सरल मानसिकता के होंगे, समाज उतना ही मुझे निगलने का प्रयास करेगा। इसलिए हम कठोर बने रहने की अहम भूमिका निभाने में जी-जान से लगे रहते हैं। कोई हमें कोसे या मुझ पर लाख़ टिप्पणी करता रहे। मुझ पर कोई सामाजिक या आसामाजिक असर नहीं पड़ता। बल्कि मेरे ईगो में सकारात्मक इज़ाफ़ा होता है। ईगो का अपने परिचितों के यहां आना-जाना भी ईगो की अपनी मर्जी पर निर्भर करता है। एक रोज़ ईगो का अपने ख़ास परिचित के यहां जाना हुआ। ईगो दरवाज़े पर पहुंचकर बोला, दरवाज़ा खोलो मैं ईगो हूं। अरे, आप मेरे द्वार पर? विश्वास ही नहीं हो रहा। आइए आइए। परिचित ने आश्चर्य से दरवाजा खोलते हुए कहा। मूड तो नहीं हो रहा था, बस यूं ही चला आया। ईगो ने अपनी ईगो दिखाते हुए कहा। चलिए आप आ ही गये ये मेरे लिए सौभाग्य की बात है। चाय बनवाता हूं आपके लिए, परिचित ने चाय ऑफर की। जैसे महंगाई आसमान छू रही है,वैसे ही ईगो का रेट बढ़ाते हुए कहा। नहीं, मैं चाय-वाय नहीं लेता। शुगर का ख्याल रखता हूं। बादाम-पिश्ते की दुद्धी पीकर आ रहा हूं। फल वगैरा भी जस्ट अभी खाए हैं। तुम्हारी चाय डियू रही, भविष्य में जरूर पीएंगे। कुर्सी पर बैठे हुए ईगो ने टांग पर टांग रखते हुए और सिगरेट को लाइटर से जलाते हुए अपनी ईगो में और चार चांद लगाये। आप शर्मा जी की बेटी की शादी के रिसेप्शन पर तो जाएंगे न ? पड़ोसी होने के नाते मैंने यूं ही पूछ लिया। पहली बात मेरे पास टाइम का झंझट बहुत है। दूसरी बात, शर्मा दरवाजे पर लड़के को कार्ड थमा कर चला गया। क्या मुझे नहीं दे सकता था? मैं खा तो नहीं जाता उसे। हां, थोड़ा बहुत अपनी ईगो का ख्याल रखते हुए उसे घूर कर अपना हाईप्रोफाइल दरवाजा जरूर बन्द कर लेता और इससे ज्यादा क्या करता। ईगो ने अपने सम्मान के विपरीत न जाने की अपनी जन्मजात बीमारी का खुलासा किया। परिचित ने पूछा, यह बताइए कि आप इतना कम क्यों बोलते हैं? समाज अक्सर यदा-कदा आपके बारे में टिप्पणी करता रहता है। मैंने सहानुभूति जताते हुए ईगो से जुड़ने की कोशिश की। समाज को क्या पता मेरी मार्केट वैल्यू क्या है? किसी की तो है नहीं इसलिए किसी को अपनी परवाह क्यों हो भला। मुझे अपनी ईगो की टीआरपी बढ़ानी होती है। इसलिए इसमें खामोशी अख्तियार करना, गलतियां और सम्बन्ध बिगाड़ने जैसे बड़े-बड़े योगदान देने पड़ते हैं। इन सबमें कितनी मेहनत और कौशल छिपा होता है, ये गैर ईगो समाज क्या जाने। ईगो ने अपनी उच्च कोटि की गुणवत्ता का बखान करते हुए बड़े ही खूबसूरती से प्रकाश डाला। लेकिन सुनने में ये भी आता है कि आप भावनात्मक पहलू पर बिल्कुल ध्यान नहीं देते? परिचित ने फिर कुरेदा। मेरी ईगो इतनी लचीली और कमजोर नहीं है, जो भावनाओं का शिकार होती फिरे। ईगो तो ईगो होती है। बिल्कुल सरकार की मानिद जैसा मन होता है वैसा करती है। उसका मुकाबला कोई नहीं कर सकता। यहां तक कि कई बार ऐसा होता आया है कि पति-पत्नी के टूटते रिश्तों में भी ईगो ने अपनी महति भूमिका निभाई है।

कुछ हटकर

यूएक्स डिजाइन : युवाओं में शानदार करियर विकल्प

सेंट्रल डेस्क

करियर

डिजिटल युग में लगभग हर काम मोबाइल एप और वेबसाइट के माध्यम से होने लगा है। चाहे ऑनलाइन खरीदारी हो, बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं या सरकारी योजनाएं, हर जगह उपयोगकर्ताओं को आसान और बेहतर अनुभव देने पर जोर दिया जा रहा है। यही कारण है कि यूएक्स (यूजर एक्सपीरियंस) डिजाइन आज सबसे तेजी से उभरते करियर विकल्पों में शामिल हो गया है। इस क्षेत्र में ऐसे पेशेवरों की मांग बढ़ रही है, जो डिजिटल उत्पादों को उपयोगकर्ता के लिए सरल, सुविधाजनक और प्रभावी बना सकें। यूएक्स का पूरा नाम यूजर एक्सपीरियंस है।

इसका अर्थ है किसी वेबसाइट, मोबाइल एप या डिजिटल उत्पाद का उपयोग करते समय उपयोगकर्ता को कैसा अनुभव होता है। यूएक्स डिजाइनर का काम यह सुनिश्चित करना होता है कि उपयोगकर्ता बिना किसी परेशानी के अपना काम आसानी से पूरा कर सके।

विशेषज्ञताएं

यूएक्स डिजाइनर केवल स्क्रीन को आकर्षक बनाने का काम नहीं करता, बल्कि वह उपयोगकर्ताओं की जरूरतों और व्यवहार को समझकर पूरे उत्पाद को बेहतर बनाता है। उसके प्रमुख कार्य हैं।- उपयोगकर्ताओं की जरूरतों का अध्ययन करना।

- वेबसाइट या एप का प्रारंभिक खाका (वायरफ्रेम) तैयार करना।
- प्रोटोटाइप बनाकर उसकी जांच करना।
- उपयोगकर्ताओं से फीडबैक लेकर सुधार करना।
- डेवलपर्स और यूआई डिजाइनरों के साथ मिलकर अंतिम उत्पाद तैयार करना।

आवश्यक कौशल

- रचनात्मक सोच और समस्या समाधान की क्षमता
- उपयोगकर्ता व्यवहार को समझने की योग्यता-संचार कौशल
- डिजाइन थिंकिंग-फिग्मा, एडोबी एक्सडी जैसे डिजाइन टूल्स की जानकारी
- टीम में काम करने की क्षमता

प्रमुख सरकारी संस्थान

- प्रमुख सरकारी संस्थान-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) – अहमदाबाद, गांधीनगर, बेंगलुरु, भोपाल, आंध्र प्रदेश, हरियाणा समेत विभिन्न परिसरों में डिजाइन से जुड़े पाठ्यक्रम।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) बॉम्बे
- इंडस्ट्रियल डिजाइन सेंटर (आईडीसी) में यूजर एक्सपीरियंस और इंटरैक्शन डिजाइन से संबंधित कार्यक्रम।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) गुवाहाटी– डिजाइन विभाग में यूजर-केंद्रित डिजाइन शिक्षा।
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी)– डिजिटल और इंटरैक्शन डिजाइन से जुड़े पाठ्यक्रम।

कितना मिलता है वेतन

- फ्रेशर: लगभग 4 से 8 लाख रुपये प्रतिवर्ष-2 से 5 वर्ष का अनुभव : 8 से 18 लाख रुपये प्रतिवर्ष-अनुभवी यूएक्स डिजाइनर:
- 20 लाख रुपये या उससे अधिक वार्षिक पैकेज प्राप्त कर सकते हैं।
- भविष्य उज्ज्वल : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल सेवाओं और ऑनलाइन कारोबार के विस्तार के साथ यूएक्स डिजाइनरों की मांग तेजी से बढ़ रही है। आने वाले वर्षों में यह क्षेत्र युवाओं के लिए सबसे अधिक अवसर देने वाले करियर विकल्पों में शामिल रहेगा।

पावस की सौगात

बीते दिनों के उदासीन बादल
गहरी उमस से उलझने लगे हैं

शोर मचा है बाहर भीतर
जब से पावस ऋतु है आई
प्रतीक्षारत थीं कब से आंखें
प्यासी धरा ने ली अंगड़ाई

जतन से ढके थे अंगार हमने
पवन की छुवन से सुलगने लगे हैं

माटी ने सोंधी खुशबू बिखेरी
भंवरों ने छेड़ा राग सुहाना
फूलों से मिलकर मकरंद लेने
तितली ने ढूंढा सुंदर बहाना

विधना की रचना कितनी निराली
हम भी कुछ कुछ समझने लगे हैं

वर्षा की बूंदे बरसें छमाछम
चातक रटे है पीहू- पीहू
नाचे मयूरा मदमस्त होकर
कोयल भी गाये कुहू- कुहू

बारिश ने पुलकित किया सृष्टितन
उपवन के अवयव संवरने लगे हैं

चंपा-चमेली, गुड़हल की लाली
बोलो तुम्हें क्या सौगात दे दें
आंसू के जल से गीला आंचल
बस अंजलि भर बरसात दे दें

अंतरघट में सहेजे हुए जो
उद्गार भी अब छलकने लगे हैं

मोटिवेशनल

भीतर की जीत से शुरू होता है नई राहों का सफर

आज का युवा जीवन अपने जीवन का सबसे परिवर्तनशील दौर जी रहा है। एक ओर अनगिनत अवसर सामने हैं, तो दूसरी ओर प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितता का दबाव। हर दूसरे कदम पर तुलना, सोशल-मीडिया की चमक, और "तुरंत सफलता" का प्रलोभन युवाओं को भीतर से थका देता है। ऐसे समय में यह समझना जरूरी है कि नई राहों का सफर बाहर की दुनिया से नहीं, बल्कि भीतर की मानसिक शक्तियों से शुरू होता है। सफलता का असली रथ 'प्रतिभा' नहीं, बल्कि दृढ़ता, निरंतरता एवं धैर्य है। हमारी पीढ़ी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह नहीं है कि अवसर कम हैं, बल्कि यह है कि मन बिखरा हुआ है। कई बार युवा अपने हुनर या सपने से पहले ही हार मान लेते हैं, सिर्फ़ इसलिए कि उन्हें लगता है कि राह कठिन है। जबकि सच यह है कि हर कठिन राह के पीछे किसी बड़ी जीत की संभावना छिपी होती है। दुनिया का हर सफल इंसान पहले असफल व्यक्ति रहा है जो डटा रहा, टिका रहा और सीखता रहा। आज तकनीक ने नई दिशाएँ खोली हैं। कौशल सीखना पहले जैसा मुश्किल नहीं रहा। आज एक मोबाइल फोन से हजारों कोर्स, मार्गदर्शन और प्रेरणादायक सामग्री उपलब्ध है, लेकिन सब कुछ उपलब्ध होने के बावजूद बहुत से युवा आगे क्यों नहीं बढ़ पाते? क्योंकि व्यक्ति तभी बढ़ता है, जब उसके अंदर 'स्व-अनुशासन' पैदा होता है। परिस्थितियाँ नहीं, मानसिकता रास्ता तय करती है। जो व्यक्ति खुद को बदलने का साहस जुटा लेता है, दुनिया की कोई ताकत उसे रोक नहीं सकती। हर कौशल, हर करियर और हर मंजिल की शुरुआत एक छोटे से कदम से होती है और वह कदम है आत्मप्रेरणा। कोई भी बाहरी शक्ति उतना बड़ा फर्क नहीं ला सकती, जितना फर्क आपका अपना मन, अपनी सोच और अपनी निरंतरता ला सकती है। यही कारण है कि आज के समय में सबसे बड़ा निवेश "डिग्री" नहीं बल्कि सीखने की आदत, काम के प्रति अनुशासन और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है। जो युवा इन तीन चीजों को साध लेता है, वह किसी भी नौकरी, किसी भी उद्योग, किसी भी परीक्षा में अपना स्थान बना सकता है। युवाओं को बस यह याद रखना चाहिए कि सपने तभी पूरे होते हैं, जब हम उनके लिए भीतर से तैयार हों। जीत वहीं लिखी जाती है, जहां मन हिम्मत नहीं छोड़ता। नई राहों के अवसर पहले से अधिक हैं, बस कदम बढ़ाने की जरूरत है।

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

लघु कथा

किरकिरी

विश्वविद्यालय में जल दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी से लौटते हुए राहुल के शब्दों में बेचैनी थी।

'बचपन से सुन रहे हैं— गरीबी हटाओ, जल बचाओ, विकास लाओ। हर साल बाढ़ आती है, हर गर्मी में पानी का संकट खड़ा हो जाता है। बदलता क्या है? बस सरकारी रिपोर्टों के आँकड़े।'

रमेश ने कहा, 'समस्या केवल बारिश की नहीं, व्यवस्था की है।'

बात वहीं खत्म नहीं हुई।

अगले सप्ताह सोलह जागरूक छात्रों ने एक समूह बनाया। शहर के सोलह मोहल्ले चुने। उन्होंने तय किया कि शिकायत नहीं, शुरुआत करेंगे। घर-घर गए, लोगों को समझाया कि शहर को लंदन बनाने से पहले शहर को अपने ही देश की प्राचीन सभ्यता मोहनजोदड़ो के ड्रेनेज सिस्टम जैसी बेहतरीन व्यवस्था अपनाने की जरूरत है। साथ ही पिन्नियों,प्लास्टिक को टाटा बाय करने की जरूरत है; जिससे जल का प्राकृतिक बहाव बना रहे।

नील मणि

कहानीकार

जल निकासी व्यवस्था और जल संरक्षण व्यवस्था सुचारू करने के लिए घर व छतों का जल पाइपों से पार्कों और रिचार्ज गड्ढों तक पहुँचाया जाए। छात्रों ने घर-घर जाकर चंदा इकट्ठा किया; निवासियों को विश्वास में लिया और साथ में निवासियों का अनुभव भी जोड़ा। छात्रों ने वर्षा जल संचयन विशेषज्ञ को भी साथ लिया।

कुछ महीनों बाद मानसून आया।

इस बार वही मोहल्ले पानी में नहीं डूबे। हैंड-पंपों का जल-स्तर ऊपर आया। पार्क हरे थे, गलियाँ सूखी थीं।

स्थानीय अख़बार ने शीर्षक छापा—

'जहाँ सरकार नहीं पहुँची, वहाँ छात्रों ने व्यवस्था को पहुँचा दिया।'

शैतानी वर्ग के बड़े ठेकेदारों और व्यापारियों के कान खड़े हो गए और वह छात्र समूह शैतान वर्ग की आँखों की किरकिरी बन गया।

खबर संक्षेप

जन परिवेदना समिति की बैठक आज

नारनौल। जिला लोक संपर्क एवं जन परिवेदना समिति की मासिक बैठक के समय में बदलाव किया गया है। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने जानकारी दी कि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल 27 जुलाई को लघु सचिवालय के पास स्थित सभागार में यह बैठक अब शाम चार बजे के बजाय दोपहर बाद तीन बजे लेंगे। इस बैठक में पूर्व निर्धारित 12 जनसमस्याओं के मामलों की सुनवाई की जाएगी।

आंगनबाड़ी वर्कर्स का प्रदर्शन 3 को

नारनौल। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका यूनियन हरियाणा सम्बंधित एआईयूटीयूसी की राज्य प्रधान कृष्णा देवी ने बताया कि कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं की मांगों को लेकर तीन अगस्त को मुख्यमंत्री के नाम जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस अवसर पर प्रदर्शन को एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह सम्बोधित करेंगे।

हादसे में मरे युवक की हुई पहचान

नारनौल। शहर के मेहत्ता चौक के समीप राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थान के पास रेलवे अंडरपास के ऊपर मालगाड़ी की चपेट में आने से मरे युवक की पहचान हो गई है। हादसे में युवक का शव कई हिस्सों में बंट गया था। मृतक की पहचान बास मोहल्ला निवासी 38 वर्षीय सोनू के रूप में हुई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। बताया गया कि सोनू विवाहित था और उसके दो बच्चे हैं। बीते दिवस सब्जी मंडी जाने वाले लोगों ने रेलवे ट्रैक के पास खून और शव के टुकड़े पड़े देख पुलिस को सूचना दी।

श्रमिकों को मिलेगा सरकारी योजनाओं का लाभः विनोद

कनीना। भवन निर्माण श्रमिक संघ की महेंद्रगढ़ व रेवाड़ी जिले की संयुक्त बैठक रविवार को कनीना स्थित गोबिंदबाई धर्मशाला में आयोजित की गई। जिसका मुख्य उद्देश्य दोनों जिलों के लिए नई कार्यसमिति का गठन करना था। बैठक की अध्यक्षता भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री हरकेश व रेवाड़ी से राजबाला ने संयुक्त रूप से की।

वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा और राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक

कारगिल विजय दिवस पर वंदे मातरम् राष्ट्रीय काव्य गोष्ठी में गूंजा राष्ट्रप्रेम

कार्यक्रम में देशभक्ति, राष्ट्र चेतना एवं साहित्य साधना का अद्भुत संगम देखने को मिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। काव्य गोष्ठी में मौजूद साहित्यकार व कवि। फोटो : हरिभूमि

राष्ट्रीय कवि संगम की ओर से रविवार को कारगिल जियज दिवस के अवसर पर नई सब्जी मंडी में वंदे-मातरम् काव्य-गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभक्ति, राष्ट्र चेतना एवं साहित्य साधना का अद्भुत संगम देखने को मिला।

संस्कृति लेखक एवं वरिष्ठ रचनाकार सत्यवीर नाहड़िया ने मुख्य अतिथि तथा वरिष्ठ कवयित्री दर्शना शर्मा ने अध्यक्ष के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में जिले भर से एक दर्जन से अधिक कवियों एवं साहित्यकारों ने अपने ओजस्वी, राष्ट्रभक्ति से परिपूर्ण तथा भावपूर्ण काव्य-पाठ से उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया और कारगिल के अमर वीरों के अद्वितीय शौर्य, राष्ट्रभक्ति और मातृभूमि के प्रति समर्पण को समर्पित रचनाओं ने वातावरण को देशप्रेम के रंग में रंग दिया। मुख्य अतिथि नाहड़िया ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा और राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक है।

कारगिल विजय दिवस हमें अपने वीर सैनिकों के अदम्य साहस, त्याग और राष्ट्रनिष्ठा का स्मरण कराता है। राष्ट्रीय कवि संगम के जिला अध्यक्ष डरा. मुकुट अग्रवाल ने बताया कि वंदे मातरम् की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में पूरे जिले में कवि सम्मेलनों की श्रृंखलाबद्ध आयोजन योजना तैयार की गई है। इन आयोजनों का उद्देश्य राष्ट्रभावना को जन-जन तक पहुंचाना तथा साहित्य के माध्यम से युवाओं में देशभक्ति का संचार करना है।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर सैनिक शत्रुघ्न, लालबहादुर कौशिक, अरुण गुप्ता, अनपढ़जी, यतिन चारण, डा. शिखा सिंघल, रेखा कौशिक, सुषमा अग्रवाल, विकास मोखारिया, सचिन अग्रवाल, अरविंद भारद्वाज व हंसमुख बीकानेरी सहित अनेक रचनाकारों ने अपनी काव्य रचना की प्रस्तुति दी। वरिष्ठ कवयित्री दर्शना शर्मा ने कहा कि साहित्य का मूल उद्देश्य समाज में संवेदना, संस्कार और राष्ट्रीय चेतना का संचार करना है। राष्ट्रीय कवि संगम के महामंत्री अरुण गुप्ता ने सभी अतिथियों, कवियों एवं साहित्यप्रेमियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सरोज भारद्वाज, सतीश कुमार भारद्वाज, अनिल अग्रवाल व अभिषेक अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक व साहित्यप्रेमी उपस्थित थे।

'मन की बात' देश की जनता से प्रधानमंत्री का आत्मीय संवाद

रेवाड़ी। समर्थकों के साथ मन की बात सुनते हुए पूर्व मंत्री डा. बनवारीलाल।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

बावल विधानसभा क्षेत्र के गांव बगथला में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136वें संस्करण का सामूहिक प्रसारण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. बनवारी लाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान भाजपा कार्यकतार्ओं और स्थानीय ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना।

कार्यक्रम के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशवासियों से प्रधानमंत्री का आत्मीय संवाद है, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समय-समय पर देश के लोगों को जनभागीदारी, सेवा और नवाचार के लिए प्रेरित करते हैं।

भाजपा का हर कार्यकर्ता निष्ठावान

डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के साथ बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य कर रहा है। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष अमरजीत सिंह, पूर्व सरपंच हीरा लाल पनवाड़, दलेल सिंह चौहान, रामलखन यादव सहित अनेक वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

हाफ मैराथन के विजेताओं को मिलेगा 1 लाख का पहला इनाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

- दूसरे पर 50 हजार व तीसरे स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को मिलेंगे 25 हजार रुपये के इनाम

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे नशा मुक्त हरियाणा अभियान-2026 और हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत महेंद्रगढ़ जिले को पूर्णतः नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से नौ अगस्त (रविवार) को मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बताया कि मुख्यमंत्री की नशामुक्त प्रदेश की संकल्पना को साकार करने और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाकर खेल व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से नशे से जंग, महेंद्रगढ़ के संग अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित किया जा रहा है।

उपायुक्त ने बताया कि पांच व 10 किलोमीटर की हाफ मैराथन दौड़ नौ अगस्त को प्रातः सात बजे राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से प्रारंभ होगी। वहीं पांच किलोमीटर की दौड़ के लिए कोई फीस नहीं है, जबकि 10 किलोमीटर की दौड़ के लिए 100 रुपये फीस ली जा रही है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जन-जन तक जन-जन का एक ही नारा, नशा मुक्त हो समाज हमारा का संदेश पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करने के लिए प्रशासन की ओर से पुरुष और महिला दोनों वर्गों के लिए समान रूप से आकर्षक नकद पुरस्कार निर्धारित किए गए हैं। इस हाफ मैराथन दौड़ में दोनों वर्गों में पहला स्थान हासिल करने वाले विजेता को एक लाख रुपये, दूसरा स्थान पाने वाले को 50000 रुपये और तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 25000 रुपये की पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया जाएगा।

ऑनलाइन करें पंजीकरण

मैराथन में भाग लेने के इच्छुक नागरिक आधिकारिक पोर्टल पर जाकर आसानी से अपना ऑनलाइन पंजीकरण करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि पांच किलोमीटर की रेस में भाग लेने वाले धावक नसीबपुर स्थित मोड़ से वापस मुड़ेंगे, जबकि 10 किलोमीटर की स्पर्धा में भाग लेने वाले धावक टांटला चौक से वापस मुड़कर आईटीआई परिसर तक पहुंचेंगे।

गुरु दक्ष प्रजापति जयंती 9 को, मेधावियों का होगा सम्मान

वर्ष 2022—2026 के बीच 10वीं-12वीं में 80% या अधिक अंक पाने वाले विद्यार्थी सम्मानित होंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। बैठक में मौजूद प्रजापति समाज के लोग। फोटो : हरिभूमि

प्रजापति समाज की बैठक रविवार को मॉडल टाउन स्थित एक निजी रेस्टोरेंट में ओमप्रकाश सेवानिवृत्त क्षेत्रीय प्रबंधक बैंक की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में आगामी 9 अगस्त को आयोजित होने वाली गुरु दक्ष प्रजापति जयंती एवं सम्मान समारोह की तैयारियों और रूपरेखा को लेकर चर्चा की गई। प्रजापति समाज के प्रधान रोशनलाल प्रजापति, मास्टर महेंद्र प्रजापति व लल्लू प्रधान प्रजापति ने बताया कि गुरु दक्ष प्रजापति जयंती गुरु दक्ष प्रजापति चौक पर धूमधाम से मनाई जाएगी।

समारोह में समाज के मेधावी विद्यार्थियों, खिलाड़ियों तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 से 2026 के बीच 10वीं व 12वीं कक्षा में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं, बीए, बीकॉम, बीएससी, एमएससी में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, डॉक्टर, इंजीनियर, आईआईटी व नीट में चयनित प्रतिभाओं सहित जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा समाज के पंच, सरपंच, जिला परिषद व नगर परिषद के वर्तमान व पूर्व सदस्य, सरकारी कर्मचारी, सेवानिवृत्त कर्मचारी, अधिवक्ता तथा प्रजापति समाज के नंबरदारों को भी सम्मानित किया जाएगा।

बैठक में ये रहे मौजूद

समाज पदाधिकारियों ने कहा कि सम्मान के पात्र सभी विद्यार्थी एवं अन्य सदस्य अपने प्रमाण-पत्र निर्धारित स्थान पर जमा कराएं। बैठक में समारोह के आयोजन को लेकर समाज के सदस्यों को विभिन्न जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। बैठक में चौधरी दौलतराम 360, श्रीराम थानेदार प्रजापति, संजय प्रधान, केके प्रजापति, राजकुमार प्रजापति, हरिकिशन प्रजापति, महेश कुमार प्रजापति, राजेश कुमार, धर्मवीर, मंगतराम, हीरालाल ठेकेदार, रामकिशन, रामकुमार, जगदीश, सुरेश कुमार, पूर्व पार्षद धनीराम, धर्मवीर बीकानेर, मूलचंद बीकानेर, दिनेश कुमार, अशोक कुमार, रोहतास कुमार, हेमंत कुमार व वीर सिंह सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अत्याधुनिक तकनीकों से मोबाइल नेटवर्क को निशाना बना रहें ठग

नकली मोबाइल टावर के जरिए एसएमएस ब्लास्ट स्कैम से रहे सावधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

साइबर ठग रोजना नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे है। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने आमजन को नकली मोबाइल टावर और एसएमएस ब्लास्ट तकनीक के जरिए हो रही खतरनाक साइबर ठगी को लेकर सतर्क रहने की अपील की है। एसपी ने बताया कि साइबर अपराधी अब अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग कर सीधे मोबाइल नेटवर्क को निशाना बना रहे हैं, जिससे आम नागरिकों की निजी व बैंकिंग जानकारी खतरे में पड़ रही है। इस प्रकार की ठगी में साइबर अपराधी पोर्टेबल उपकरणों की मदद से नकलीमोबाइल टावर तैयार कर लेते हैं, जिन्हें कार, बैग या किसी स्थान पर छिपाकर लगाया जा सकता है। जब कोई मोबाइल फोन नेटवर्क सिग्नल खोजता है, तो वह सबसे मजबूत सिग्नल से कनेक्ट हो जाता है, जो कई बार यह नकली टावर होता है। इसके बाद मोबाइल को 4जी या 5जी जैसे सुरक्षित नेटवर्क से हटाकर 2जी नेटवर्क पर शिफ्ट कर दिया जाता है, जहां सुरक्षा कमजोर होती है। इसी स्थिति का फायदा उठाकर अपराधी एसएमएस ब्लास्ट के माध्यम से बड़े पैमाने पर फर्जी बैंक, केवाईसी, ओटीपी या सिम ब्लॉक होने से संबंधित संदेश भेजते हैं।

साइबर ठगी से बचने के लिए जरूरी सावधानियां

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा।

किसी भी अनजान या डर पैदा करने वाले रटर में दिए गए लिंक पर क्लिक न करें। मोबाइल फोन अचानक 4जी-5जी से 2जी नेटवर्क पर जाए तो तुरंत सतर्क हो जाएं। जहां संभव हो, मोबाइल सेटिंग में 2जी नेटवर्क का उपयोग बंद रखें। बैंक या सरकारी विभाग कभी भी एसएमएस के जरिए लिंक भेजकर जानकारी नहीं मांगते। मोबाइल फोन का सॉफ्टवेयर और सुरक्षा अपडेट समय-समय पर करते रहें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या मैसेज को नजर अंदाज न करें और तुरंत जांच करें। अपनी निजी, बैंकिंग या ओटीपी संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करें। परिवार के सदस्यों, विशेषकर बुजुर्गों को इस प्रकार के साइबर फ्रॉड के बारे में जागरूक करें।

साइबर फ्रॉड होने पर तुरंत करें शिकायत

यदि किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होती है या इस प्रकार के संदिग्ध मैसेज प्राप्त होते हैं, तो तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें या साइबरक्राइम.जीओवी.इन पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। समय रहते की गई शिकायत से आर्थिक नुकसान को रोका जा सकता है। एसपी ने कहा कि जागरूकता और सतर्कता ही इस प्रकार के तकनीकी साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

नई मंडी में चश्मे की दुकान में तोड़फोड़

महिला से अश्लील हरकत करने का आरोप, दुकानदार पर हमला

महिला समेत कई लोगों पर मारपीट का आरोप, घायल दुकानदार हायर सेंटर रेफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। हंगामे के बाद दुकान पर एकत्रित भीड़। फोटो : हरिभूमि

नई मंडी गेट के बाहर स्थित एक चश्मे की दुकान में शनिवार शाम महिला सहित कुछ लोगों द्वारा तोड़फोड़ और मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि महिला से अश्लील हरकत की गई और महिला के समर्थकों की ओर से हंगामा कर दिया गया, जिस पर वहां भीड़ एकत्रित हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस भी वहां पहुंची। महिला झुग्गी झोंपड़ी में रहने वाली बताई जा रही है। घटना में दुकानदार घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर किया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार नई मंडी गेट के बाहर स्थित एक निजी आई केयर के संचालक अपनी दुकान पर मौजूद थे। इसी दौरान एक महिला कुछ लोगों के साथ दुकान पर पहुंची। आरोप है कि उक्त महिला से अश्लील हरकत की गई और उनके समर्थकों ने हंगामा किया।

कार्यक्रम हरियाणवी लोकनाटक के गीतों पर कलाकारों की शानदार प्रस्तुति

अनार-नट संगीत संध्या में छाए बंजारा के कलाकार, मंचन से लूटी दर्शकों की वाहवाही

हरियाणवी लोकनाटक का निर्देशन फिल्म लेखक बाबू गौतम ने किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। अनार-नट संगीत लोकार्पण समारोह में प्रस्तुति देते कलाकार। फोटो हरिभूमि

मॉडल टाउन स्थित बाल भवन में शनिवार देर शाम सांस्कृतिक संस्था बंजारा के तत्वावधान में आयोजित अनार-नट संगीत लोकार्पण समारोह का आयोजन किा गया। कार्यक्रम के लोकार्पण में बंजारा संस्था के कलाकार छाए रहे। इस मौके पर दर्शकों ने कलाकारों के साथ अनेक गीतों पर जमकर नृत्य किया। बंजारा के निदेशक विजय भाटोटिया की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में जिला बाल कल्याण अधिकारी वीरेंद्र सिंह यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

नाटक के सह-निर्देशक ऋषि सिंहल ने बताया कि बॉलीवुड के जाने-माने फिल्म लेखक तथा कथाकार बाबू गौतम के निर्देशन में तैयार किए गए हरियाणवी लोक नाटक के सभी गीतों की रचना साहित्यकार सत्यवीर नाहड़िया ने की है, जिन्हें प्रसिद्ध संगीतकार मुकेश वर्मा ने संगीतबद्ध किया है।

बाल भवन में आयोजित संगीत लोकार्पण समारोह में लोकनाट्य परंपरा शैली में वरिष्ठ रंगकर्मी गोपाल शर्मा व खूबराम सैनी ने सूत्रधार की भूमिका निभाई तथा बंजारा संस्था के कलाकार मयंक सैनी, रविंद्र, योगेश कौशिक, देवेंद्र, राहुल, सन्नी व मनोज कुमार ने सभी गीतों को अपने अभिनय व नृत्य से जीवंत किया। नृत्य निर्देशन विनोद शर्मा ने किया तथा मंच के पीछे से सत्यप्रकाश सैनी का सहयोग रहा।

लोकसंस्कृति का सम्मान

इस मौके पर मुख्य अतिथि वीरेन्द्र यादव ने लोक संस्कृति पर केंद्रित संगीत एवं नाट्य मंचन की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। भाटोटिया ने भावपूर्ण मंचन के लिए पूरी टीम को बधाई दी। निर्देशक बाबू गौतम, गीतकार नाहड़िया, संगीतकार मुकेश वर्मा व गायक मुकेश काळे ने नाटक में गीतों की सृजन यात्रा की संस्मरण सुनाए। सह-निर्देशक ऋषि सिंहल ने कलाकारों का परिचय कराया तथा सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शिक्षा, साहित्य कला संस्कृति एवं रंगमंच से जुड़े विभिन्न संगठनों की सदस्य मौजूद थे।

कल से 3 दिन तक फिर सक्रिय होगा मानसून

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। मानूसन का चित्र।

इस सीजन में मानसून का मिजाज लगातार हैरान कर रहा है। जलवायु परिवर्तन का असर इस बार मौसम के पूरे चक्र में साफ दिखाई दे रहा है। साल की शुरुआत से ही मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। जहां पश्चिमी विक्षोभ सामान्यतः शीत ऋतु में सक्रिय रहते थे, वहीं अब वे पूरे वर्ष मौसम को प्रभावित कर रहे हैं। मौसम की यह बदलती प्रकृति भारतीय मौसम विभाग व मौसम वैज्ञानिकों के लिए भी शोध का विषय बना हुआ है।

बता दें कि जुलाई की शुरुआत में मानसून ने जोरदार दस्तक दी थी, लेकिन इसके बाद उसकी रफ्तार और लय बिगड़ गई। पिछले एक सप्ताह से मानसूनी ट्रफ और अन्य मौसम प्रणालियां राजस्थान के ऊपर सक्रिय रहने के कारण हरियाणा, एनसीआर और दिल्ली में मानसून कमजोर बना हुआ है। बीच-बीच में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो रही है, लेकिन अधिकांश क्षेत्रों में उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान कर रही है। हरियाणा में इस बार अब तक केवल छह जिलों में सामान्य या सामान्य के आसपास बारिश हुई है, जबकि 16 जिलों में सामान्य से कम वर्षा दर्ज की गई है।

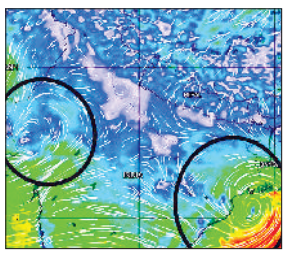

5 घंटे बाद आग पर काबू पाया

गोदाम में रखी लाखों रुपये की सीएनसी और प्रेस मशीन भी जलकर नष्ट हो गईं

प्लाईवुड गोदाम में भीषण आग लाखों का माल जलकर राख

रेवाड़ी। प्लाईवुड के गोदाम में लगी भीषण आग तथा आग बुझाते हुए दमकम कर्मी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

झज्जर रोड पर गोकलगढ़ टी-प्वाइंट के पास एक प्लाईवुड गोदाम में रविवार सुबह लगी भीषण आग से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। आग इतनी भीषण थी कि बावल और धारूहेड़ा से भी दमकल गाड़ियों को बुलाया गया। 10 गाड़ियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, परंतु तब तक गोदाम में रखा प्लाईवुड का लाखों रुपये का सामान आग की भेंट चढ़ चुका था। प्लाईवुड के साथ-साथ गोदाम में रखी लाखों रुपये की सीएनसी और प्रेस मशीन भी जलकर नष्ट हो गईं।

प्लाईवुड कारोबारी अशोक दुआ ने गोकलगढ़ के पास वुड स्टूडियो के नाम से शोरूम और गोदाम बनाया हुआ है। रात को गोदाम के बाहर 5 श्रमिक सोए हुए थे। गोदाम के अंदर कोई नहीं था। सुबह करीब साढ़े 5 बजे श्रमिकों ने गोदाम से धुआं उठता देख इसकी सूचना गोदाम मालिक और फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड़ की गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन देखते ही देखते आग ने भीषण रूप धारण कर लिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। दमकल केंद्र की सभी गाड़ियों को बुलाने के बाद बावल, आईएमटी बावल और धारूहेड़ा से भी दमकल गाड़ियों को बुलाया गया। लकड़ी की आग होने के कारण लगातार बढ़ती चली गई। दस गाड़ियों ने लगातार आग पर पानी डाला। लगभग 5 घंटे बाद आग के रुद्र रूप पर काबू पाया गया, लेकिन इसके बाद भी लकड़ियों से धुआं निकलता रहा। गोदाम के बाहर ही अशोक दुआ का प्लाईवुड का शोरूम भी है। आग गोदाम के पिछले हिस्से में लगी थी, जिस कारण दमकल कर्मियों ने आगे के हिस्से में रखे प्लाईवुड और शोरूम को आग से बचा लिया।

फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियों ने पांच घंटे बाद पाया काबू
आसपास के घरों और दुकानों को नुकसान से बचाया

आसपास के लोगों में मची अफरा-तफरी

गोदाम के आसपास रिहायशी इलाका है। कई दुकानें भी गोदाम के आसपास बनी हुई हैं। आग लगने के बाद घरों में रहने वाले लोगों और दुकानदारों में आग फैलने की आशंका से अफरा-तफरी मच गई। लोग घरों से बाहर निकल आए। दुकानदार भी अपनी दुकानों के पास एकत्रित हो गए। आग पर काबू पाए जाने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

आगजनी के कारणों की जांच करेगी पुलिस

आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका था। आग शार्ट सर्किट के कारण लगी या किसी और वजह से, इसकी जांच पुलिस ने शुरू कर दी है। एसएचओ सदर ने बताया कि आग पूरी तरह शांत होने के बाद ही आग के कारणों का पता लगाया जा सकेगा। वहीं आग से कारोबारी का लाखों रुपये का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना पहुंची मौके पर

कारोबारी के गोदाम में भीषण आग की सूचना पर भाजपा जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली, नगर परिषद चेयरमैन विनीता पीपल व पूर्व जिला प्रमुख सतीश यादव मौके पर पहुंच गए। उन्होंने गोदाम में लगी आग का जायजा लिया। डा. वंदना पोपली ने पीड़ित कारोबारी को सरकार से हरसंभव मदद दिलाने का भरोसा दिलाया। सतीश यादव ने आगजनी की घटना पर दुख व्यक्त करते हुए सरकार से मदद की मांग की।

रेवाड़ी। आगजनी की घटना के बाद मौके पर पहुंची भाजपा जिलाध्यक्ष व जमा लोग।

विवेकानंद स्कूल लाखनौर में खेल महाकुंभ शुरू, स्टेट की टीमों ने दिखाया दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। खेलों के शुभारंभ पर अतिथियों का स्वागत करते हुए स्कूल प्रबंधन।

विवेकानंद स्कूल लाखनौर में रविवार को सीबीएसई क्लस्टर खो-खो प्रतियोगिता के महाकुंभ का शुभारंभ किया गया। स्कूल के चेयरमैन एडवोकेट सुधीर यादव की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीएसपी पवन कुमार तथा विशिष्ट अतिथि भूपेन्द्र यादव, शिक्षाविद् डा. जयभगवान खालेटा, वेद प्रकाश और नरेंद्र यादव ने शिरकत की। अतिथियों ने सर्वप्रथम कारगिल के शहीदों को नमन किया गया और उनकी स्मृति में पौधरोपण किया। इस मौके पर बच्चों ने देशभक्ति के रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सभी टीमों के खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि डीएसपी पवन कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों के जीवन में खेलों का होना बहुत जरूरी है, क्योंकि खेलों के बिना मानसिक व शारीरिक विकास संभव नहीं है।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में विद्यालय की मैनेजिंग डायरेक्टर मोहित यादव, प्रधानाचार्य ज्योती यादव, सीनियर, मिडिल व प्राइमरी विंग के कोर्डिनेटर्स सौरभ वर्मा, रीना यादव व सीमा सहित सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

कोसली में पूर्व सैनिकों व युवाओं ने कारगिल दिवस पर निकाला विजय मार्च

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर रविवार को कोसली में अहीर रेजिमेंट कमेटी, पूर्व सैनिक लीग समिति, पतंजलि समिति, संत कबीर जन अम्बेडकर शिक्षा समिति तथा प्रेरणा सामाजिक संस्था के संयुक्त तत्वावधान में विजय मार्च का आयोजन किया गया। संस्था सदस्यों ने कोसली गांव के तिकोना पार्क से शहीद स्मारक तक मार्च निकाला। इसके बाद शहीद स्मारक पर देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए पुष्प अर्पित किए गए और 2 मिनट का मौन रखकर नमन किया। सभी ने तिरंगा हाथों में लेकर भारत माता की जय और वंदे मातरम्के नारे लगाए। इस मौके पर वक्ताओं ने युवाओं को देश की रक्षा, सेना के इतिहास और कारगिल युद्ध की गाथाओं से अवगत कराया गया। इस अवसर पर राज सिंह आर्य, लखन, नंबरदार भोलू, चांद सिंह, कप्तान कर्म सिंह, कप्तान नाथूराम, लीलाराम आर्य, दयानंद आर्य, ओमप्रकाश डाबला, सतबीर सिंह, अनिल भारद्वाज, सुभाष साद, सर्व सुख, जगदीश, जबीर, रामकिशन जांगड़ा, सोमदत्त आर्य, धर्मबीर, यदु, नरेंद्र, संजय पच, राजेंद्र, गुरदयाल सिंह व श्याम सहित पूर्व सैनिक, समाजसेवी, युवा और बच्चे उपस्थित थे।

कारगिल विजय दिवस पर लगाया रक्तदान शिविर

- बीएमडी क्लब की ओर से आयोजित किया गया शिविर, युवाओं ने रक्तदान करने में दिखाई रूचि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

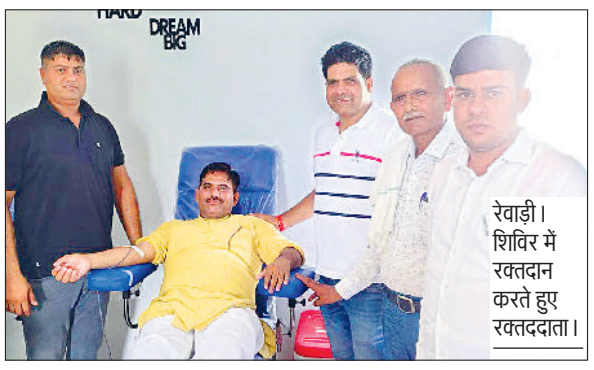

रेवाड़ी। शिविर में रक्तदान करते हुए रक्तददाता।

कारगिल विजय दिवस पर रविवार को बीएमडी यूथ क्लब की ओर से धारण गांव में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। एसडीएम बावल संजीव कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर कारगिल के अमर शहीदों को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। रामपुरा के सरपंच व भाजपा खोरी मंडल अध्यक्ष नरेश यादव ने 31वीं बार रक्तदान करते हुए युवाओं को इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित किया। शिविर में आए युवाओं को संबोधित करते हुए चीफ गेस्ट नरेश यादव ने कहा कि रक्तदान से बड़ा पुण्य का कोई दूसरा कार्य नहीं है। एक बूंद खून किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है। रक्तदान करने से शरीर में किसी तरह की कमजोरी नहीं आती। उन्होंने युवाओं से नियमित रक्तदान करने तथा समाज और राष्ट्रहित के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। शिविर के दौरान गांव के वीर शहीद ओम प्रकाश यादव के बड़े भाई को मुख्य अतिथियों ने पटका पहनाकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित लोगों ने शहीद के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए उनके परिवार के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम में गांव की ओर से सरपंच राजेश तंवर, कल्याण सिंह, मामराज राठौर, मामराज गोड, नवीन गोड, शमशेर फोगाट, रणवीर चौहान, श्याम सिंह, विष्णु, लीलू सहित अन्य गणमान्य लोगों ने मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों का पटका पहनाकर, स्मृति चिह्न एवं गुलाब के फूल भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया।

बीएमडी क्लब जनकल्याण को समर्पित

बीएमडी यूथ क्लब के संस्थापक अरुण तंवर ने बताया कि क्लब का उद्देश्य युवाओं को समाजसेवा, राष्ट्रसेवा और जनकल्याण के कार्यों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि एसडीएम बावल संजीव कुमार के मार्गदर्शन और प्रशासन के सहयोग से क्लब लगातार जनहित से जुड़े कार्यक्रम आयोजित कर रहा है तथा भविष्य में भी ऐसे सामाजिक अभियान जारी रहेंगे। इस मौके पर युवा भाजपा नेता प्रदीप ठेकेदार ने कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल जीत का उत्सव नहीं, बल्कि देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर सैनिकों के शौर्य, साहस और बलिदान को स्मरण करने का अवसर है।

नाहड़ गांव से घर के बाहर खड़ी कार चोरी

कोसली। नाहड़ गांव में शनिवार रात चोर एक ग्रामीण के घर के बाहर खड़ी कार चुरा ले गए। नाहड़ निवासी राममेहर ने नाहड़ चौकी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने अपनी क्रेटा कार घर के सामने खड़ी की थी। प्रातः उठकर देखा तो गाड़ी अपनी जगह पर नहीं थी। आरसी, बीमा व पॉल्यूशन संबंधी दस्तावेज कार में ही थे। पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध कार चोरी का मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध कार चोरी का मामला दर्ज किया

अभा विद्यार्थी परिषद का वार्षिक सदस्यता अभियान आज से

- एबीवीपी जिला विभाग ने इस वर्ष 20000 नए विद्यार्थियों को सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का वार्षिक सदस्यता अभियान 27 जुलाई से पूरे देश के साथ रेवाड़ी विभाग में प्रारंभ होने जा रहा है। अभियान के अंतर्गत विद्यार्थी परिषद की ओर से जिले के विभिन्न महाविद्यालयों एवं शैक्षणिक परिसरों में विद्यार्थियों को संगठन से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। जिला संयोजक विनीत यादव ने बताया कि एबीवीपी जिला विभाग ने इस वर्ष 20000 नए विद्यार्थियों को सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। सदस्यता अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रहित, समाजहित एवं छात्रहित के कार्यों से जोड़ने तथा उनके व्यक्तित्व विकास के लिए सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि एबीवीपी कार्यकर्ताओं की ओर से शिक्षण संस्थानों में अभियान चलाकर विद्यार्थियों को परिषद की विचारधारा, गतिविधियों एवं रचनात्मक कार्यों के बारे में जानकारी दी जाएगी। परिषद का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक एवं राष्ट्रीय दायित्वों के प्रति जागरूक करना है।

देवशयनी एकादशी पर हुआ श्याम संकीर्तन, गायक कलाकारों ने भजनों से बांधा समां

श्याम संकीर्तन

'दिलदार कन्हैया ने मुझको अपनाया है रास्ते से उठा करके सीने से लगाया है'...

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नई अनाजमंडी स्थित शिव मंदिर में शनिवार रात्रि देवशयनी एकादशी पर श्री श्याम प्रभु के 131वें संकीर्तन पर भजन गायकों ने अनेक रस भरे भजन सुनाकर समां बांधा। श्री श्याम श्रृंगार सेवा ग्रुप की ओर से आयोजित श्री श्याम संकीर्तन में दिल्ली से भजन गायिका ट्विंकल शर्मा व गोकलगढ़ से गायक संजय शर्मा के जागरण में मनमोहक भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को भावविभोर किया। एकादशी पर यतार्थ सहगल ने बाबा का मनमोहक श्रृंगार कराया। बाबा की ज्योत प्रज्जवलित कर संकीर्तन का शुभारंभ किया गया। संकीर्तन में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। श्याम बाबा के संकीर्तन में श्रद्धालु देर रात तक भजनों पर झूमते नजर आए। रविवार को द्वादशी के अवसर पर शिव मंदिर में भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

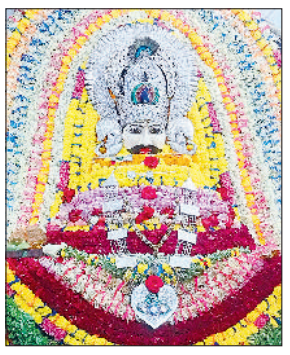

रेवाड़ी। देवशयनी एकादशी पर सजी श्याम बाबा की भव्य प्रतिमा तथा श्याम संकीर्तन में भजन गाते हुए गायिका ट्विंकल शर्मा।

गणेश व हनुमान वंदना से संकीर्तन का शुभारंभ

एकादशी पर गोकलगढ़ से भजन गायक संजय शर्मा ने गणेश जी व हनुमान जी की वंदना से संकीर्तन का शुभारंभ किया। उन्होंने 'हारा मैं हारा बन जाऊ श्याम सहारा, सारी दुनिया से मैं हारा, मेरा बन जाओ श्याम सहारा, अब तुम बिन कौन हमारा, तेरे दास ने तुझे पुकारा' सहित अनेक भजन सुनाए। इसके बाद दिल्ली से गायिका ट्विंकल शर्मा ने 'श्याम धणी आने में जो देर लगाओगे, इतना समझलो हारे हुए को और हराओगे','दिलदार कन्हैया ने मुझको अपनाया है, रस्ते से उठा करके सीने से लगाया है', व 'मेरा भोला है भंडारी करता नंदी की सवारी, भोलनाथ रे, ओ शंभूनाथ रे' सहित अनेक भजनों से बाबा की महिमा का गुणगान किया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने 'जुलम कर डारयो, सितम कर डारयो, कारे ने कर दियो लाल, जुलम कर डारयो' भजन पर जमकर धमाल मचाया।

ये रहे मौजूद

श्याम संकीर्तन में चरत अग्रवाल, विजय अग्रवाल, रवि भट्टेवाले, रितेश बंसल, विकास बंसल, राजुल, अमित, मनीष सचदेवा, भूपेन्द्र गुप्ता, अनिल मखीजा, पुरुषोत्तम, संजय सहगल, मयूर गोयल, कुशल गोयल, नवीन शर्मा, सोनिया, मीनाक्षी, आरती, हिना व कविता सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8295554800

न्यूज डायरी

भाविप के सदस्यों ने किया पौधरोपण

रेवाड़ी। भारत विकास परिषद् जिला शाखा ने रविवार को पर्यावरण संरक्षण दिशा में झज्जर रोड स्थित सामुदायिक भवन में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शाखा के सदस्यों ने नीम, पीपल, बड़ व गुलमोहर सहित अनेक प्रजाति के पौधे लगाए। इस कार्य में शाखा के पर्यावरण संयोजक दयाराम आर्य का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में प्रांतीय पर्यावरण संयोजक मुकेश सैनी, पार्षद प्रतिनिधि श्योलाल, अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रांतीय अध्यक्ष डा. रामबाबू यादव, शाखा संरक्षक रमेश सचदेवा, पौधारोपण संयोजक नंदलाल ढींगरा, हुकुमचंद प्रजापत सेवा संयोजक, सरदार कश्मीर सिंह, प्रेम मेहंदीरत्ता कोषाध्यक्ष, रामकिशोर सचिव व शाखा अध्यक्ष दिनेश सैनी सहित अनेक प्रबुद्धजन मौजूद थे।

रिटायर्ड कर्नल ने पौधा लगाकर दिया संदेश

कोसली। कोसली में रविवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेवानिवृत्त कर्नल एसएस यादव ने 95 वर्षीय अपनी मां सोना देवी के साथ पौधरोपण किया। इस मौके पर अनेक पूर्व सैनिक व समाजसेवी मौजूद थे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। पूर्व सैनिकों ने कहा कि मां के नाम पर पौधे लगाना सबसे बड़ा सम्मान है। पौधे लगाकर न केवल पर्यावरण की रक्षा की जा सकती है, बल्कि मां के प्रति सम्मान और कृतज्ञता भी व्यक्त की जा सकती है। इस अवसर पर सरपंच रामकिशन जांगड़ा, कैप्टन करतार सिंह व कृष्ण कुमार सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

राजदीप गुप्ता को किया सम्मानित

रेवाड़ी। शहर के रामसिंहपुरा निवासी राजदीप गुप्ता ने एनटीए की ओर से आयोजित नीट परीक्षा में ऑल इंडिया स्तर पर 113रैंक हासिल किया है। राजदीप के पिता नंदकिशोर गुप्ता एक निजी कंपनी मे कार्यरत है व मां प्रमिला गुप्ता गृहणी है। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रीतम चौहान व भाजपा ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष जयवीर योगी ने रविवार को राजदीप व उसके परिवार को सम्मानित किया। प्रीतम चौहान ने कहा कि राजदीप की उपलब्धि पूरे परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि छात्र की मेहनत और सफलता जिले के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगी और उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति मेहनत करने का संदेश देगी। इस अवसर पर राकेश राजपूत, मधुबाला व सरिता उपस्थित थे।

संस्था ने पार्क में रखे पानी के सकोरे

रेवाड़ी। भाड़ावास गेट सांस्कृतिक संस्था की ओर से रविवार को नेताजी जी सुभाष चंद्र बोस पार्क में पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था की गई। संस्था के सदस्यों ने पक्षियों के लिए पेड़ों पर मिट्टी के सकोरे लटकाएं। इस मौके पर पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी धर्मबीर बल्ड़ोदिया ने कहा कि मिट्टी के सकोरे धूप में भी पानी को सहज रूप से ठंडा रखते हैं। भीषण गर्मी में छोटे पक्षी जैसे गौरैया, कबूतर और तोते पानी की तलाश में बेहाल हो जाते हैं, ऐसे में सकोरे उनके लिए जीवन रक्षक साबित होते हैं। सभी गर्मी के मौसम में निरंतर घरों की छत, बालकोनी पर पानी व दाने की व्यवस्था करें। अभिराज संस्था के निदेशक अभिषेक सैनी ने कहा कि मूक प्राणियों की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। हमें पशु पक्षियों के प्रति दया भाव रखते हुए भीषण गर्मी और लू को देखते हुए दाना-पानीकी व्यवस्था करनी चाहिए। इस अवसर पर समाजसेवी ईश्वरी प्रसाद, शालू सैनी, भरत कुमार, कपिल, दिव्या, प्रिया, निशा, खुशी व काजल मौजूद थे।

महिला मंडल का तीज महोत्सव 8 अगस्त को

रेवाड़ी। रुस्तगी महिला मंडल की ओर से आगामी 8 अगस्त को दिल्ली रोड स्थित सतीश पब्लिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल में तीज महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। महोत्सव की तैयारी को लेकर समिति की बैठक बीएमजी मॉल परिसर में आयोजित की गई। बैठक में महोत्सव की रूपरेखा तय की गई व समिति सदस्याओं की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। समिति की प्रवक्ता शिल्पी रुस्तगी ने कहा कि तीज महोत्सव का मुख्य उद्देश्य महिलाओं में आपसी सौहार्द बढ़ाने के साथ-साथ युवा पीढ़ी को भारतीय त्यौहारों की संस्कृति से ओतप्रोत कराना है। उन्होंने बताया कि समिति के बैनर तले पिछले 3 वर्षों से महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि तीज महोत्सव में रुस्तगी समाज की महिलाओं के साथ अन्य सामाजिक संगठनों से जुड़ी महिलाए भी भाग लेंगी। महोत्सव में परम्परागत झूले, आकर्षक खेल व मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित होगी। कार्यक्रम में छोटे बच्चों के लिए भी झूले व पतंगबाजी विशेष आकर्षण होगी। बैठक में हेमा रुस्तगी, उषा रुस्तगी, शशि रुस्तगी, इंदू रुस्तगी, पूजा रुस्तगी, मंजू रुस्तगी व उमा गुप्ता सहित समाज की अनेक महिलाएं मौजूद थी।

ग्रीन एंबेसडर्स ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

रेवाड़ी। दिल्ली रोड स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल के नेचर क्लब के ग्रीन एंबेसडर्स ने विद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रेरणादायक गतिविधियों का आयोजन किया। कक्षा सातवीं, आठवीं एवं नौवीं के विद्यार्थियों ने पौधों की देखभाल, परिसर की स्वच्छता, जल एवं ऊर्जा संरक्षण तथा हरित वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया। विद्यार्थियों ने अपने साथियों को अधिक से अधिक पौधे लगाने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर ग्रीन एंबेसडर्स ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सत्त दायित्व है। विद्यालय के प्राचार्य व शिक्षकों ने विद्यार्थियों के सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं।